सूर्यास्त
05.12
न्यूनतम
15.0°
62,710
78,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 252 कानपुर, गुरूवार 14 मार्च 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सीएसए व गेहूं-जौ अनुसंधान के मध्य एमओयू

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में बुधवार को प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विवि कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉ ज्ञानेंद्र सिंह और डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफ से डॉ पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विवि द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक

उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है।जिसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके।अनुबंध पत्र में गेहूं प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 एवं डीबीडब्ल्यू 1871किसानों की बड़ी संख्या में मांग है। जिसका अब कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य में आशातीत सफलता प्राप्त की जाएगी। विश्वविद्यालय में गेहूं के विभिन्न प्रयोग परीक्षणों का मॉनिटरिंग टीम ने अवलोकन एवं निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की प्रशंसा की और इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया। जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति का कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन रहा है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 14/03/2024

सीएसए व गेहूं रिसर्च इंस्टीट्यूट में एमओयू

KANPUR : सीएसए और गेहूं/जौ अनुसंधान संस्थान के बीच वेडनसडे को एमओयू हुआ. प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को पंजाब और हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा और सीएसए के बीच एमओयू हुआ है. गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के डायरेक्टर डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह, डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज ने सीएसए की ओर से डॉक्टर पीके सिंह निदेशक शोध और डॉ विजय कुमार यादव ने वीसी डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में साइन किए.

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक
आज का कानपुर
कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए एवं गेहूं व जौ अनुसंधान संस्थान के मध्य हुआ एम ओ यू

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह एवं डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफ से डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है।जिसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके।अनुबंध पत्र में गेहूं प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 एवं डीबीडब्ल्यू 1871किसानों की बड़ी संख्या में मांग है। जिसका अब कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य में आशातीत सफलता प्राप्त की जाएगी। विश्वविद्यालय में गेहूं के विभिन्न प्रयोग परीक्षणों का मॉनिटरिंग टीम ने अवलोकन एवं निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की प्रशंसा की और इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया। जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति का कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन रहा है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर अमित शर्मा ने विस्तृत चर्चा कर गेहूं के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु आवश्यक क्रिया कलापों को अपनाने पर जोर दिया। डॉ राजेश सिंह छौंकर ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषको से संवाद किया एवं इसके साथ ही डॉक्टर रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले रोग एवं कीड़ों की प्रभावी नियंत्रण पर चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने भी सभी को संबोधित किया।डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक कार्यक्रम ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियां को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षक/ वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष, छात्र-छात्राएं एवं किसान उपस्थित रहे।

सांसद पचौरी के प्रस्ताव पर स्वीकृत 3

इडा विभाग दे हो रहा है श्याम नगर और कोयला

Sign in to edit and save changes to this file.

हिन्दी दैनिक

login://jeevansurakshatimes.com

@jeevansurakshat JSTNEWSINDIA

फतेहपुर से प्रकाशित एवं लखनऊ कानपुर उन्नाव अलीगढ़ सीतापुर रामपुर कानपुर देहात प्रयागराज लखीमपुर गाजियाबाद रायबरेली से प्रसारित

जीवन सुरक्षा टाइम्स

सच आप बतायेंगे, आवाज हम उठायेंगे

सीएसए एवं गेहूं/जौ अनुसंधान संस्थान के मध्य हुआ एम ओ यू

जीवन सुरक्षा टाइम्स

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह एवं डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफ से डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है।जिसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके।अनुबंध पत्र में गेहूं प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 एवं डीबीडब्ल्यू 1875किसानों की बड़ी संख्या में मांग है। जिसका अब कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य में आशातीत सफलता प्राप्त की जाएगी। विश्वविद्यालय में गेहूं के विभिन्न प्रयोग परीक्षणों का मॉनिटरिंग टीम ने अवलोकन एवं निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की प्रशंसा की और इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया। जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति का कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन रहा है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर अमित शर्मा ने विस्तृत चर्चा कर गेहूं के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु आवश्यक क्रिया कलापों को अपनाने पर जोर दिया। डॉ राजेश सिंह छोंकर ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषको से संवाद किया एवं इसके साथ ही डॉक्टर रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले रोग एवं कीड़ों की प्रभावी नियंत्रण पर चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने भी सभी को संबोधित किया।डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक कार्यक्रम ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियां को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षक/ वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष, छात्र-छात्राएं एवं किसान उपस्थित रहे।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रात:कालीन) कानपुर, गुरूवार 14 मार्च 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47220)

सीएसए एवं गेहूं/जौ अनुसंधान संस्थान के मध्य हुआ एम. ओ. यू.

कानपुर, 13 मार्च (यू0एन0टी0)। ***आजम महमूद*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह एवं डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफ से डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा

विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है। जिसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके। अनुबंध पत्र में गेहूं प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 एवं डीबीडब्ल्यू 187अकिसानों की बड़ी संख्या में मांग है। जिसका अब कृषि विश्व विद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य में आशातीत सफलता प्राप्त की जाएगी। विश्वविद्यालय में गेहूं के विभिन्न प्रयोग परीक्षणों का मॉनिटरिंग टीम ने अवलोकन एवं निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की प्रशंसा की और इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया। जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति का कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन रहा है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर अमित शर्मा ने विस्तृत चर्चा कर गेहूं के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु आवश्यक क्रिया कलापों को अपनाने पर जोर दिया। डॉ राजेश सिंह छोंकर ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषको से संवाद किया एवं इसके साथ ही डॉक्टर रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले रोग एवं कीड़ों की प्रभावी नियंत्रण पर चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने भी सभी को संबोधित किया।डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक कार्यक्रम ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षक वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष, छात्र छात्राएं एवं किसान उपस्थित रहे।

हार्मोनल टेस्ट से बीमारियों का पता लगाएगा जीएसवीएम

कानपुर, 13 मार्च (यू0एन0टी0)। अक्सर हम देखते हैं कि कुछ लोगों का वजन अचानक बढ़ जाता है, साथ दर्द की समस्या से ग्रस्त कई पेशेंट ट्रीटमेंट कराने को पहुंचते है। इसके साथ ही गायनिक डिपार्टमेंट में बांझपन,

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 14 मार्च • 2024

सीएसए व करनाल के गेहूं नुसंधान संस्थान के बीच करार

(एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद वं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ो प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन य क्षितिज पर पंजाव एवं हरियाणा दकता के समतुल्य लाने को विशेष क तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान हरियाणा के कृपि विश्वविद्यालय के ाक्षर हुए।

अनुसंधान संस्थान करनाल के

दकता बढ़ाने को हुआ झौता

सीएसए व गेहूं-जौ अनुसंधान संस्थान के मध्य हुआ एमओयू। फोटो : एसएनबी

डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह एवं डॉ. अमित र्मा नोडल ऑफिसर वीज तथा कृपि ालय कानपुर की तरफ से डॉ. पी के शक शोध एवं डॉ. विजय कुमार विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस वीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। अवगत कराया गया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन अपनाने पर जोर दिया। डॉ. राजेश सिंह छोंकर ने कृपि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृपको से संवाद किया एवं इसके साथ ही डॉ. रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 15 | अंक: 152

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

गुरुवार | 14 मार्च, 2024

कृषि [illegible] के जिम्मेदारों ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने के लिए गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विश्वविद्यालय कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमे निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ.विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है। जिसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ.ज्ञानेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति के बारे में बताते हुए कहा कि इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया गया है। कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.सी.एल. मौर्य ने भी सभी को संबोधित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष, छात्र-छात्राएं एवं किसान मौजूद रहे।

कुमार ने बैठक में प्रधानाचार्यों को दिए।

भी अवैध वसूली की शिकायतें थीं। 1986 बैच के आइआरएस अधिकारी संसार चंद के खिलाफ सीबीआइ ने

दैनिक जागरण 14/03/2024

गेहूं उत्पादन में हरियाणा व पंजाब की बराबरी करेंगे उप्र के किसान

सीएसए विश्वविद्यालय एवं गेहूं अनुसंधान संस्थान के पदाधिकारियों ने गेहूं की प्रजातियों पर अनुसंधान और विकास के लिए एमओयू पर साइन किए ● संस्थान

जासं, कानपुर : उत्तर प्रदेश के किसान भी जल्द ही गेहूं उत्पादन में पंजाब व हरियाणा के किसानों की बराबरी कर सकेंगे। गेहूं-जौ अनुसंधान संस्थान करनाल के विज्ञानी उनकी मदद करेंगे. बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय (सीएसए) ने संस्थान से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। निदेशक बीज व प्रक्षेत्र डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं व जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं, जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज किसानों को उपलब्ध कराना है ताकि प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि हो सके।

उन्होंने बताया कि किसानों में गेहूं की प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 व डीबीडब्ल्यू 187 वी की बड़ी संख्या में मांग है। जिसे अब कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक व न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। गेहूं, जौ अनुसंधान संस्थान निदेशक डा. ज्ञानेंद्र सिंह ने सीएसए में विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की सराहना की। डा. रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले रोग एवं कीड़ों की प्रभावी नियंत्रण पर सुझाव दिए। समारोह में गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डा. ज्ञानेंद्र सिंह, सीएसए विश्वविद्यालय से कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह, शोध निदेशक डा. पीके सिंह, निदेशक बीज व प्रक्षेत्र डा. विजय कुमार सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक मौजूद रहे।

POWERED BY

प्रदेश के गेंहूं उत्पादन को पंजाब-हरियाणा के बराबर लाने के प्रयास

- सीएसए व गेहूं जौ अनुसंधान संस्थान के बीच एमओयू

स्वतंत्र भारत सं. कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में बुधवार को प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने के प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विवि कानपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉ ज्ञानेंद्र सिंह और डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफसे डॉ पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विवि द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है। इसके द्वारा प्रदेश की उत्पादकता में और वृद्धि की जा सके।अनुबंध पत्र में गेहूं प्रजातियां जैसे डीबीडब्ल्यू 330, डीबीडब्ल्यू 332 एवं डीबीडब्ल्यू 187अकिसानों की बड़ी संख्या में मांग है। जिसका अब कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों पर जनक एवं न्यूक्लियस बीज का उत्पादन कर प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गेहूं के उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य में आशातीत सफलता प्राप्त की जाएगी। विश्वविद्यालय में गेहूं के विभिन्न प्रयोग परीक्षणों का मॉनिटरिंग टीम ने अवलोकन एवं निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर निदेशक गेहूं एवं जौ अनुसंधान डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं प्रजाति के 68 जैसी उच्च गुणवत्ता वाली प्रजाति की प्रशंसा की और इस वर्ष के परीक्षणों को एक दशक बाद उच्च श्रेणी में व्यवस्थित पाया। जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति का कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन रहा है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के 1006 जो उच्च जिंक एवं लोहा से भरपूर है के प्रचार प्रसार एवं ब्रांडिंग करने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर अमित शर्मा ने विस्तृत चर्चा कर गेहूं के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु आवश्यक क्रिया कलापों को अपनाने पर जोर दिया। डॉ राजेश सिंह छोंकर ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषको से संवाद किया एवं इसके साथ ही डॉ रविंद्र कुमार ने गेहूं की फसल में लगने वाले रोग एवं कीड़ों की प्रभावी नियंत्रण पर चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने भी सभी को संबोधित किया।डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक कार्यक्रम ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियां को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षक-वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष, छात्र-छात्राएं एवं किसान उपस्थित रहे।

सीएसए एवं गेहूं/जौ अनुसंधान संस्थान के मध्य हुआ एम ओ यू

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रदेश के किसानों के गेहूं उत्पादन को राष्ट्रीय क्षितिज पर पंजाब एवं हरियाणा की उत्पादकता के समतुल्य लाने हेतु विशेष प्रयास के तहत गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा से कृषि विश्वविद्यालय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गेहूं अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह एवं डॉ अमित कुमार शर्मा नोडल ऑफिसर बीज तथा कृषि विश्वविद्यालय कानपुर की तरफ से डॉक्टर पी के सिंह निदेशक शोध एवं डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र द्वारा कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र अधीक्षकों तथा शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। डॉ विजय यादव ने बताया कि इस अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर का मुख्य उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय द्वारा सृजित गेहूं एवं जौ की प्रजातियों के साथ-साथ भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन वाली गेहूं प्रजातियों के बीज को किसानों तक उपलब्ध कराना है।